उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का एक अनुभवजन्य अध्ययन

An Empirical Study of the Influence of Family Environment on Academic Achievement of Higher Secondary Students

Dr. Anju lata Yadav
oriental university

सारांश **(*Abstract*—)पृष्ठभूमि (Background): शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले बाह्य कारकों में पारिवारिक वातावरण को सर्वाधिक प्रभावशाली माना जाता है। परिवार वह प्रारम्भिक शैक्षणिक संस्था है जो बालक के संज्ञानात्मक, भावनात्मक एवं सामाजिक विकास की आधारशिला रखती है।**

उद्देश्य (Objectives): प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की विज्ञान-विषयक शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का परीक्षण करना था, साथ ही लिंग एवं आवासीय क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर उपलब्धि में अंतर का विश्लेषण करना था।

पद्धति (Methodology): यादृच्छिक नमूना विधि द्वारा चयनित 100 उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों (50 बालक + 50 बालिका; 50 शहरी + 50 ग्रामीण) पर सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। डेटा-संकलन हेतु एक स्वनिर्मित, वैध एवं विश्वसनीय प्रश्नावली का उपयोग किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण में माध्य, मानक विचलन, स्वतंत्र t-test एवं एकमार्गीय ANOVA (F-test) का प्रयोग किया गया।

परिणाम (Results): ANOVA परीक्षण से ज्ञात हुआ कि उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक अंतर विद्यमान है ($F = 162.38$, $p < 0.05$)। शहरी विद्यार्थियों की उपलब्धि ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में सार्थक रूप से अधिक पाई गई ($t = 10.10$, $p < 0.05$)। बालक एवं बालिकाओं की उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया ($t = -0.89$, $p > 0.05$)।

निष्कर्ष (Conclusion): पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का एक महत्त्वपूर्ण निर्धारक है। अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता, भावनात्मक समर्थन एवं अनुकूल गृह-वातावरण विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। शैक्षिक सुधार के लिए विद्यालय, परिवार एवं नीति-निर्माताओं के समन्वित प्रयास अपेक्षित हैं।

मुख्य शब्द **(*Index Terms*—): पारिवारिक वातावरण, शैक्षिक उपलब्धि, उच्चतर माध्यमिक, ANOVA, t-test, शहरी-ग्रामीण अंतर**

I. प्रस्तावना (INTRODUCTION)

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का आधारस्तम्भ है। यह व्यक्ति को बौद्धिक रूप से परिपक्व, सामाजिक रूप से जागरूक एवं आर्थिक रूप से सक्षम नागरिक बनाती है। वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में शैक्षिक उपलब्धि विद्यार्थी के भविष्य की दिशा एवं अवसरों का निर्धारण करती है।

हालाँकि, शैक्षिक उपलब्धि केवल वैयक्तिक योग्यता, बौद्धिक क्षमता अथवा परिश्रम का प्रतिफल नहीं है; इसे बाह्य सामाजिक-सांस्कृतिक कारक भी समान रूप से प्रभावित करते हैं। इन बाह्य कारकों में पारिवारिक वातावरण का स्थान सर्वोच्च है, क्योंकि परिवार वह प्रथम एवं सर्वाधिक प्रभावशाली सामाजिक संस्था है जिसमें बालक के आरम्भिक अनुभव, मूल्य एवं अभिवृत्तियाँ निर्मित होती हैं।

पारिवारिक वातावरण एक बहुआयामी संप्रत्यय है जिसमें माता-पिता का शैक्षिक स्तर एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठा, पारिवारिक आर्थिक स्थिति, संचार की गुणवत्ता, पालन-पोषण शैली (parenting style), भावनात्मक सुरक्षा, अनुशासन की प्रकृति तथा घर में उपलब्ध शैक्षिक संसाधन सम्मिलित होते हैं। माता-पिता की शिक्षा एवं जागरूकता बालक की अध्ययन-अभिवृत्ति को प्रभावित करती है, जबकि पारिवारिक आर्थिक स्थिति पाठ्य-सामग्री, कोचिंग, एवं डिजिटल साधनों की सुलभता निर्धारित करती है।

भावनात्मक समर्थन की दृष्टि से, जिन विद्यार्थियों को परिवार में प्रेम, प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता है, वे अधिक आत्मविश्वासी, लक्ष्य-केन्द्रित एवं चुनौतियों का सामना करने

में सक्षम होते हैं। इसके विपरीत, पारिवारिक संघर्ष, उपेक्षा अथवा अस्थिर पारिवारिक परिस्थितियाँ विद्यार्थी में चिन्ता, असुरक्षा-बोध एवं ध्यान-विकेन्द्रण उत्पन्न करती हैं, जो उसकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती हैं।

अनुशासन शैली भी शैक्षिक उपलब्धि का एक महत्त्वपूर्ण निर्धारक है। संतुलित अनुशासन विद्यार्थी में आत्म-नियंत्रण, उत्तरदायित्व-बोध एवं नियमितता विकसित करता है। अत्यन्त कठोर अथवा पूर्णतः अनुदार अनुशासन दोनों ही स्थितियाँ विद्यार्थी के व्यवहार एवं अध्ययन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं।

उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में प्रस्तुत शोध का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अनुभवजन्य परीक्षण करना है, ताकि इस आधार पर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने हेतु व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए जा सकें।

1.1 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व

वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान एक महत्त्वपूर्ण शोध-आवश्यकता है। विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में, जहाँ पारिवारिक संस्था सामाजिक जीवन का केन्द्र है, वहाँ पारिवारिक वातावरण की भूमिका का गहन अध्ययन नीति-निर्माण एवं शैक्षिक सुधार की दिशा में उपयोगी सिद्ध हो सकता है। यह अध्ययन अभिभावकों को जागरूक करने, शिक्षकों को समुचित मार्गदर्शन प्रदान करने तथा समग्र शैक्षिक गुणवत्ता के उन्नयन में सहायक है।

II. साहित्य-समीक्षा (REVIEW OF RELATED LITERATURE)

पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के अन्तःसम्बन्ध पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न अध्ययन किये गये हैं। प्रमुख शोधों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

Santra एवं Panda (2025) ने पश्चिम बंगाल के उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों पर किये गये अपने अध्ययन में पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सकारात्मक सहसम्बन्ध ($r = 0.53$) प्रतिवेदित किया। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि शहरी विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक प्रदर्शन ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में उच्च था।

Kumari (2025) ने अपने अध्ययन में निष्कर्ष प्रस्तुत किया कि पारिवारिक सामंजस्य, सहयोग एवं न्यूनतम पारिवारिक संघर्ष ये कारक मनोवैज्ञानिक सुस्वास्थ्य के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

Mandal (2024-25) द्वारा किये गये एक व्यवस्थित समीक्षा-अध्ययन (Systematic Review) में यह निष्कर्ष निकला कि गृह-वातावरण विद्यार्थियों के भाषायी विकास एवं समग्र शैक्षिक प्रदर्शन को अनुकूल रूप से प्रभावित करता है। अध्ययन में परिवार को 'प्रथम विद्यालय' की संज्ञा दी गई है।

भारतीय बहु-विषयक अध्ययनों (2025) में यह उद्घाटित हुआ कि माता-पिता की सहभागिता, घर में अध्ययन के अनुकूल वातावरण एवं शैक्षिक संसाधनों की सुलभता विद्यार्थी की उपलब्धि को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। निम्न-आय वर्गीय परिवारों में संसाधनों की न्यूनता विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन को सीमित करती है।

भारतीय किशोर-सम्बन्धी एक व्यवस्थित समीक्षा (2025) से ज्ञात हुआ कि विद्यालय एवं परिवार दोनों स्तरों पर सकारात्मक वातावरण विद्यार्थियों के भावनात्मक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि दोनों को उन्नत करता है।

आधुनिक मनोवैज्ञानिक शोधों (2024-25) के अनुसार पारिवारिक वातावरण प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों माध्यमों से शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है। पालन-पोषण-शैली एवं गृह-वातावरण जैसे पारिवारिक कारक शैक्षिक उपलब्धि में कुल प्रभाव के लगभग 30 प्रतिशत से अधिक भाग के लिए उत्तरदायी पाये गये।

Bloom (1964) ने अपने क्लासिक अध्ययन में तर्क प्रस्तुत किया कि प्रारम्भिक पारिवारिक अनुभव बालक के संज्ञानात्मक विकास पर दीर्घकालिक प्रभाव डालते हैं। Dornbusch et al. (1987) ने पालन-पोषण शैली (authoritative, authoritarian, permissive) एवं किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध स्थापित किया। Fan एवं Chen (2001) के मेटा-विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि अभिभावकों की शैक्षिक सहभागिता विद्यार्थी की उपलब्धि से सकारात्मक रूप से सम्बद्ध है।

उपर्युक्त साहित्य-समीक्षा से स्पष्ट है कि पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य एक सुदृढ़ एवं सकारात्मक सम्बन्ध विद्यमान है, जो प्रस्तुत शोध की प्रासंगिकता एवं आवश्यकता को प्रमाणित करता है।

III. अध्ययन के उद्देश्य एवं परिकल्पनाएँ

3.1 उद्देश्य (Objectives)

- उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में पारिवारिक वातावरण की भूमिका का विश्लेषण करना।
- बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव में लैंगिक भिन्नता का परीक्षण करना।

3.2 परिकल्पनाएँ (Hypotheses)

H_{01}: उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

H_{02}: शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में पारिवारिक वातावरण के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

H_{03}: बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण का समान प्रभाव होगा।

IV. अनुसंधान-पद्धति (RESEARCH METHODOLOGY)

4.1 अनुसंधान विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि (Descriptive Survey Method) का उपयोग किया गया है, जो सामाजिक एवं शैक्षिक अनुसंधान में वास्तविक तथ्यों के संकलन एवं विश्लेषण हेतु सर्वाधिक प्रचलित विधि है।

4.2 नमूना चयन (Sampling)

नमूना चयन हेतु यादृच्छिक नमूना विधि (Random Sampling Method) का प्रयोग किया गया। कुल 100 उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 50 बालक एवं 50 बालिकाएँ तथा 50 शहरी एवं 50 ग्रामीण विद्यार्थी सम्मिलित थे। नमूने में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक पृष्ठभूमि के विद्यार्थी शामिल किये गये।

4.3 उपकरण (Research Tools)

डेटा-संकलन हेतु दो उपकरणों का उपयोग किया गया: (क) पारिवारिक वातावरण मापन हेतु एक स्वनिर्मित, वैध एवं विश्वसनीय प्रश्नावली, जिसमें माता-पिता का सहयोग, भावनात्मक समर्थन, अनुशासन की प्रकृति, संचार की गुणवत्ता एवं अध्ययन-अनुकूल वातावरण से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित थे। (ख) शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु विज्ञान विषय में प्राप्त अंकों का उपयोग किया गया।

पारिवारिक वातावरण स्कोर के आधार पर विद्यार्थियों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया: उच्च (70 अंक एवं अधिक), मध्यम (40-69 अंक) एवं निम्न (0-39 अंक)।

4.4 चर (Variables)

स्वतंत्र चर (Independent Variable): पारिवारिक वातावरण (उच्च/मध्यम/निम्न), लिंग (बालक/बालिका), क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण)।

आश्रित चर (Dependent Variable): विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि (विज्ञान विषय में प्राप्तांक)।

4.5 सांख्यिकीय विश्लेषण

आँकड़ों के विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकी (माध्य, मानक विचलन), स्वतंत्र प्रतिदर्श t-test एवं एकमार्गीय ANOVA का उपयोग किया गया। सार्थकता का स्तर 0.05 (5%) निर्धारित किया गया।

V. आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या (DATA ANALYSIS AND INTERPRETATION)

5.1 नमूने का विवरण (Sample Description)

वर्गीकरण	उपवर्ग	संख्या (N)	प्रतिशत (%)
लिंग	बालक (Male)	50	50%
	बालिका (Female)	50	50%
क्षेत्र	शहरी (Urban)	50	50%
	ग्रामीण (Rural)	50	50%
पारिवारिक वातावरण	उच्च (70+)	30	30%
	मध्यम (40–69)	50	50%
	निम्न (0–39)	20	20%
कुल	—	100	100%

5.2 वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics)

तालिका 2: समग्र वर्णनात्मक सांख्यिकी

चर (Variable).	N	न्यूनतम	अधिकतम.	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)
विज्ञान अंक	100	19	83	50.07	15.83
पारिवारिक वातावरण स्कोर	100	22	95	57.51	18.52

तालिका 3: पारिवारिक वातावरण समूह अनुसार विज्ञान अंक

समूह	N	Mean	SD	SE	Min	Max
उच्च (High)	30	68.17	8.99	1.64	53	83
मध्यम (Medium)	50	47.80	7.44	1.05	34	65
निम्न (Low)	20	28.60	5.34	1.19	19	38

तालिका 4: लिंग अनुसार विज्ञान अंक

लिंग	N	Mean	SD	SE	Min	Max
बालक (Male)	50	48.66	15.51	2.19	19	80
बालिका (Female)	50	51.48	16.02	2.27	25	83

तालिका 5: क्षेत्र अनुसार विज्ञान अंक

क्षेत्र	N	Mean	SD	SE	Min	Max
शहरी (Urban)	50	61.32	11.84	1.67	40	83
ग्रामीण (Rural)	50	38.82	10.39	1.47	19	58

5.3 परिकल्पना 1 का परीक्षण – ANOVA (F-test)

H_{01}: उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

गणना (Computation):

Grand Mean ($\bar{X}$) = 50.07

SS_between = $30 \times (68.17-50.07)^2 + 50 \times (47.80-50.07)^2 + 20 \times (28.60-50.07)^2$

= 9824.68 + 257.65 + 9219.22 = 19301.54

SS_within = 2426.17 + 2768.00 + 570.80 = 5764.97

df_between = k−1 = 2; df_within = N−k = 97

MS_between = 19301.54 / 2 = 9650.77

MS_within = 5764.97 / 97 = 59.43

F = 9650.77 / 59.43 = 162.38

तालिका 6: ANOVA सारणी

स्रोत	SS	df	MS	F-value	Critical F (0.05)	निर्णय
Between Groups	19301.54	2	9650.77	162.38	3.09	सार्थक
Within Groups	5764.97	97	59.43	—	—	—
Total	25066.51	99	—	—	—	—

तालिका 7: Post-hoc तुलना (समूह-वार अंतर)

तुलना	Group 1 Mean	Group 2 Mean	Mean अंतर	निष्कर्ष
उच्च vs मध्यम	68.17	47.80	20.37	सार्थक अंतर
उच्च vs निम्न	68.17	28.60	39.57	सार्थक अंतर
मध्यम vs निम्न	47.80	28.60	19.20	सार्थक अंतर

निष्कर्ष: परिकलित F-मान (162.38) सारणी मूल्य (3.09; df = 2, 97; $p < 0.05$) से अधिक है। अतः H_{01} अस्वीकृत किया जाता है। तीनों समूहों की शैक्षिक उपलब्धि में सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक अंतर विद्यमान है। उच्च पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि सर्वाधिक पाई गई।

5.4 परिकल्पना 2 का परीक्षण – शहरी एवं ग्रामीण (t-test)

H_{02}: शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में पारिवारिक वातावरण के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

गणना:

SE_diff = $\sqrt{(1.67^2 + 1.47^2)} = \sqrt{(2.8036 + 2.1606)} = 2.228$

t = (61.32 − 38.82) / 2.228 = 22.50 / 2.228 = 10.10

df = 50 + 50 − 2 = 98

तालिका 8: t-test (शहरी vs ग्रामीण)

समूह	N	Mean	SD	SE	t-value	df	Critical t (0.05)	निर्णय
शहरी	50	61.32	11.84	1.67	10.10	98	1.984	सार्थक
ग्रामीण	50	38.82	10.39	1.47	—	—	—	—

निष्कर्ष: परिकलित t-मान (10.10) सारणी मूल्य (1.984; df = 98; $p < 0.05$) से अधिक है। अतः H_{02} अस्वीकृत किया जाता है। शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि (M = 61.32) ग्रामीण विद्यार्थियों (M = 38.82) की तुलना में सार्थक रूप से अधिक है।

5.5 परिकल्पना 3 का परीक्षण – बालक एवं बालिका (t-test)
H_{03}: बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण का समान प्रभाव होगा।

गणना:
$SE_diff = \sqrt{(2.19^2 + 2.27^2)} = \sqrt{(4.8133 + 5.1338)} = 3.154$
$t = (48.66 - 51.48) / 3.154 = -2.82 / 3.154 = -0.894$
$df = 50 + 50 - 2 = 98$

तालिका 9: t-test (बालक vs बालिका)

समूह	N	Mean	SD	SE	t-value	df	Critical t (0.05)	निर्णय
बालक	50	48.66	15.51	2.19	−0.894	98	1.984	असार्थक
बालिका	50	51.48	16.02	2.27	—	—	—	—

निष्कर्ष: परिकलित t-मान (−0.894) सारणी मूल्य (1.984; df = 98; p > 0.05) से कम है। अतः H_{03} स्वीकृत किया जाता है। बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

5.6 परिकल्पना परीक्षण का सारांश

परिकल्पना	परीक्षण	परिकलित मान	सारणी मान	df	निर्णय
H_{01}: उच्च/मध्यम/निम्न समूह	ANOVA (F)	162.38	3.09	2, 97	अस्वीकृत (सार्थक)
H_{02}: शहरी vs ग्रामीण	t-test	10.10	1.984	98	अस्वीकृत (सार्थक)
H_{03}: बालक vs बालिका	t-test	−0.894	1.984	98	स्वीकृत (असार्थक)

VI. परिणामों की चर्चा (DISCUSSION OF FINDINGS)

6.1 पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि

प्रस्तुत अध्ययन के परिणाम स्पष्टतः दर्शाते हैं कि जिन विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण अनुकूल एवं सहयोगात्मक है, उनकी विज्ञान-उपलब्धि उच्च स्तर पर है। यह निष्कर्ष Bloom (1964), Dornbusch et al. (1987), Fan एवं Chen (2001) तथा Santra एवं Panda (2025) के शोध-निष्कर्षों के अनुरूप है। उच्च पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों का माध्य (68.17) निम्न वातावरण वाले विद्यार्थियों (28.60) से लगभग दोगुना है, जो पारिवारिक वातावरण के महत्त्व को स्पष्ट करता है।

6.2 शहरी-ग्रामीण अंतर

शहरी विद्यार्थियों की उच्चतर उपलब्धि के पीछे कई कारण सम्भावित हैं: शहरी परिवारों में माता-पिता का अपेक्षाकृत उच्च शैक्षिक स्तर, पाठ्य-सामग्री एवं डिजिटल साधनों की अधिक सुलभता, कोचिंग सुविधाओं की उपलब्धता तथा सामान्यतः अधिक स्थिर एवं सकारात्मक पारिवारिक वातावरण। ग्रामीण क्षेत्रों में इन संसाधनों की सीमितता विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करती है। यह निष्कर्ष Santra एवं Panda (2025) के भारतीय संदर्भ में किये गये अध्ययन से साम्य रखता है।

6.3 लिंग एवं शैक्षिक उपलब्धि

बालक (M = 48.66) एवं बालिकाओं (M = 51.48) की उपलब्धि में सांख्यिकीय दृष्टि से कोई सार्थक अंतर न पाया जाना एक उत्साहजनक परिणाम है। यह इंगित करता है कि वर्तमान शैक्षिक परिवेश में लैंगिक भेदभाव में कमी आ रही है तथा परिवार का सकारात्मक प्रभाव बालक एवं बालिकाओं पर समान रूप से पड़ता है। यह भारत में लैंगिक शैक्षिक समानता की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत देता है।

VII. शैक्षिक सुझाव (EDUCATIONAL IMPLICATIONS AND SUGGESTIONS)

7.1 अभिभावकों के लिए

घर में पठन-पाठन हेतु शान्त, व्यवस्थित एवं प्रोत्साहक वातावरण का निर्माण किया जाए। बालक की शैक्षिक गतिविधियों में नियमित रुचि एवं सहभागिता ली जाए। बालकों को पर्याप्त भावनात्मक सुरक्षा, समय एवं प्रेरणा प्रदान की जाए। विज्ञान विषय के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित करने में सहायता की जाए।

7.2 शिक्षकों के लिए

ग्रामीण विद्यार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अनुकूलित किया जाए। अभिभावक-शिक्षक बैठकों में पारिवारिक वातावरण के

महत्त्व पर सार्थक चर्चा की जाए। विज्ञान-शिक्षण को दैनिक जीवन से जोड़कर सरल एवं रोचक बनाया जाए।

7.3 नीति-निर्माताओं के लिए

ग्रामीण विद्यालयों में शैक्षिक सुविधाओं एवं संसाधनों में वृद्धि की जाए। व्यापक स्तर पर अभिभावक-शिक्षा कार्यक्रम संचालित किये जाएँ। आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजनाएँ प्रारम्भ की जाएँ।

7.4 भावी शोधकर्ताओं के लिए

अन्य विषयों (गणित, भाषा) में पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया जाए। बृहत्तर नमूने एवं विविध भौगोलिक क्षेत्रों में तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किये जाएँ। अनुदैर्ध्य (Longitudinal) शोध-पद्धति के माध्यम से पारिवारिक वातावरण के दीर्घकालिक प्रभावों का परीक्षण किया जाए।

VIII. शोध की सीमाएँ (LIMITATIONS OF THE STUDY)

प्रस्तुत शोध की निम्नलिखित सीमाएँ विद्यमान हैं: (क) यह शोध केवल 100 विद्यार्थियों के नमूने पर आधारित है; अतः परिणामों का व्यापक सामान्यीकरण सीमित है। (ख) स्वनिर्मित प्रश्नावली में विद्यार्थियों की आत्मप्रतिवेदन प्रवृत्ति (self-reporting bias) से डेटा प्रभावित हो सकता है। (ग) शोध-क्षेत्र एक विशिष्ट भौगोलिक परिसर तक सीमित था। (घ) अन्य प्रभावशाली कारकों जैसे माता-पिता का व्यवसाय, परिवार का आकार, भाई-बहनों की संख्या आदि को नियंत्रित नहीं किया जा सका।

IX. उपसंहार (CONCLUSION)

प्रस्तुत शोध से यह स्पष्टतः सिद्ध होता है कि पारिवारिक वातावरण उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। उच्च पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि सर्वाधिक रही, जबकि निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों का प्रदर्शन न्यूनतम रहा। शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया, जबकि बालक एवं बालिकाओं में पारिवारिक वातावरण का प्रभाव समान पाया गया।

इन निष्कर्षों के आलोक में यह कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के उन्नयन के लिए परिवार, विद्यालय एवं समाज को समन्वित एवं संयुक्त प्रयास करने होंगे। अभिभावकों को घर में एक ऐसा सकारात्मक, प्रेरणास्पद एवं अनुशासित वातावरण तैयार करना होगा जिसमें बालक का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सके। तभी राष्ट्र की भावी पीढ़ी को शिक्षित, दक्ष एवं जागरूक नागरिक के रूप में तैयार किया जा सकेगा।

संदर्भ सूची (REFERENCES)

[1] B. S. Bloom, *Stability and Change in Human Characteristics*. New York, NY, USA: Wiley, 1964.

[2] S. S. Chauhan, *Advanced Educational Psychology*. New Delhi, India: Vikas Publishing House, 2010.

[3] S. M. Dornbusch, P. L. Ritter, P. H. Leiderman, D. F. Roberts, and M. J. Fraleigh, "The relation of parenting style to adolescent school performance," *Child Development*, vol. 58, no. 5, pp. 1244–1257, 1987, doi: 10.2307/1130618.

[4] X. Fan and M. Chen, "Parental involvement and students' academic achievement: A meta-analysis," *Educational Psychology Review*, vol. 13, no. 1, pp. 1–22, 2001, doi: 10.1023/A:1009048817385.

[5] C. V. Good, *Dictionary of Education*. New York, NY, USA: McGraw-Hill, 1959.

[6] N. E. Hill and D. F. Tyson, "Parental involvement in middle school: A meta-analytic assessment of the strategies that promote achievement," *Developmental Psychology*, vol. 45, no. 3, pp. 740–763, 2009, doi: 10.1037/a0015362.

[7] R. Kumar, "Effect of family environment on academic achievement of secondary school students," *Indian Journal of Educational Research*, vol. 12, no. 2, pp. 45–52, 2010.

[8] Kumari, "Family environment, psychological well-being and academic achievement," *Journal of Indian Education*, vol. 51, no. 1, pp. 33–47, 2025.

[9] S. Mandal, "Home environment and academic performance: A systematic review," *Indian Review of Educational Research*, vol. 6, no. 1, pp. 11–28, 2024–2025.

[10] S. K. Mangal, *Advanced Educational Psychology*. New Delhi, India: PHI Learning, 2012.

[11] K. Mishra, "Parental involvement and science achievement," *Journal of Indian Education*, vol. 41, no. 1, pp. 78–89, 2015.

[12] National Council of Educational Research and Training (NCERT), *National Curriculum Framework*, 2023. [Online]. Available: NCERT Website

[13] T. Santra and M. Panda, "Family environment and educational achievement of higher secondary students: A study in West Bengal," *Asian Journal of Education and Social Studies*, vol. 51, no. 3, pp. 45–56, 2025, doi: 10.9734/ajess/2025/v51i31441.

[14] N. R. Saxena, *Shiksha Manovigyan (Educational Psychology)*. New Delhi, India: Suruchi Prakashan, 2015.

[15] R. A. Sharma, *Advanced Educational Psychology*. Meerut, India: R. Lall Book Depot, 2008.

[16] R. N. Sharma, *Shodh Vidhiyaan Evam Sankhyiki (Research Methods and Statistics)*. Agra, India: Agrawal Publication, 2014.

[17] University Grants Commission (UGC), *Higher Education Statistics*, 2024. [Online]. Available: UGC Website